भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1858
उत्तर देने की तारीख: 19/12/2022

केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान और राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को अनुदान

†1858. सुश्री एस. जोतिमणि:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा विदेशों में स्थापित भारतीय पीठों (प्राचीन भाषाओं में) की संख्या का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार का तमिल भाषा पर एक भारतीय पीठ स्थापित करने का विचार है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) तमिल को प्राचीन भाषा के रूप में बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जाने का विचार है; और
(घ) वर्ष 2014 से केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान और राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को जारी किए गए अनुदानों के संबंध में वर्ष-वार आंकड़े क्या हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) और (ख): भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने संस्कृत और तमिल सहित शास्त्रीय भाषाओं में विदेशों में भारतीय पीठों की स्थापना करने हेतु आठ अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। आईसीसीआर ने पोलैंड में एक तमिल चेयर की स्थापना की है।

(ग): भारत सरकार ने केन्द्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी), चेन्नई नामक एक अलग संस्थान की स्थापना की है जो शास्त्रीय तमिल के विकास और प्रचार के लिए कार्य करता है। शास्त्रीय तमिल को बढ़ावा देने के लिए, सीआईसीटी सेमिनार, कार्यशालाएं, अल्पकालिक परियोजनाएं और अनुसूचित भाषाओं और अन्य भाषाओं में तिरुक्कुरल और अन्य शास्त्रीय ग्रंथों का अनुवाद आयोजित करता है।

(घ): शास्त्रीय तमिल के प्रचार के लिए सीआईसीटी को जारी अनुदान और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू), नई दिल्ली को पाली और प्राकृत भाषाओं और उनके साहित्य के साथ-साथ संस्कृत भाषा के प्रचार के लिए जारी अनुदान इस प्रकार है:

(रूपए लाख में)

वर्ष	सीआईसीटी	सीएसयू
2014-15	827.36	12580.00
2015-16	1199.68	16147.36
2016-17	510.44	14919.74
2017-18	1067.63	19831.06
2018-19	465.25	21437.99
2019-20	980.78	24699.28
2020-21	1173.00	19285.07
2021-22	1186.15	19883.16

*****